सत्र 2021–22
हाईस्कूल
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

समय–तीन घण्टे 15 मिनट　　विषय – हिन्दी　　पूर्णांक–70

नोट– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

प्र01: (क) निम्नलिखित में से कोई एक कथन सही है; उसे पहचानकर लिखिए। 1

(i) 'सरस्वती' पत्रिका की सम्पादक महादेवी वर्मा थीं।

(ii) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा है।

(iii) राम विलास शर्मा कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(iv) 'मैला आंचल' कहानी विधा की रचना है।

(ख) 'रस मीमांसा' किसकी आलोचना कृति है– 1

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) रांगेय राघव

(iv) केदारनाथ सिंह

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक रचना की लेखक का नाम लिखिए– 1

(i) अथाह सागर

(ii) अर्द्धनारीश्वर

(iii) मेरी असफलताएँ

(iv) लहरों के राजहंस

(घ) 'गेहूँ और गुलाब' किसकी रचना है– 1

(i) रामवृक्ष बेनीपुरी

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) राम विलास शर्मा

(iv) प्रेमचन्द

(ङ) 'त्यागपत्र' किस विधा की रचना है– 1

(i) उपन्यास

(ii) कहानी

Downloaded from cclchapter.com

(iii) नाटक

(iv) एकांकी

प्र02: (क) रीतिमुक्त धारा की किन्हीं दो कवियों का नाम लिखिए– 2

(ख) छायावाद की दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

(ग) 'उत्तरायण' कृति के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

प्र03: निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2+2+2

(क) भिन्न–भिन्न धर्मों को मानने वाले भी जो सारी दुनिया के सभी देशों में बसे हुए हैं यहां भी थेड़ी बहुत संख्या में पाये जाते हैं और जिस तरह यहां की बोलियों की गिनती आसान नहीं है उसी तरह यहां भिन्न–भिन्न धर्मो के सम्प्रदायों की भी गिनती आसान नहीं है। इन विभिन्नताओं को देखकर यदि अपरिचित आदमी घबराकर कह उठे कि यह एक देश नहीं अनेक देशों का समूह है, यह एक जाति नहीं अनेक जातियों का समूह है तो इसमे कोई आश्चर्य नहीं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) उपर्युक्त गद्यांश में भारत की बोलियों एवं सम्प्रदायों के सम्बन्ध में लेखक द्वारा क्या बताया गया हैं?

अथवा

पहले पहाड़ काटकर उसे खोखला कर दिया गया, फिर उसमें सुन्दर भवन बना लिये गये, जहाँ खम्भों पर उभारी मूरतें विहंस उठी। भीतर की दीवारें और छतें रगड़कर चिकनी कर ली गयी और तब उसकी जमीन पर चित्रों की एक दुनिया ही वसा दी गयी। पहले पलस्तर लगाकर आचार्यों ने उन पर लहराती रेखाओं में चित्रों की काया सिरज दी, फिर उनके चेले कलावन्तों ने उनमें रंग भरकर प्राण फूँक दिये। फिर तो दीवार उमग उठी, पहाड़ पुलकित हो उठे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) पहाड़ों को किस प्रकार जीवन्त बनाया गया?

प्र04: निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए तथा काव्य–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए– 1+4+1

Downloaded from cclchapter.com

(क) निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,

मृत्यु एक है विश्राम–स्थल।

जीव जहाँ से फिर चलता है,

धारणकर नवजीवन मण्डल।।

मृत्यु एक सरिता है, जिसमें

श्रम से कातर जीव नहाकर।

फिर नूतन धारण करता है,

काया रूपी वस्त्र बहाकर।।

अथवा

सुनि सुन्दर वैन सुधा रस साने, सयानी है जानकी जानी भली।

तिरछे करि नैन दै सैन तिन्हे समुझाइ कछु मुसकाय चली।।

तुलसी तेहि औसर सोहै सवै अवलोकति लोचन–लाहु अली।

अनुराग–तड़ाग में भानु उदै विगसी मनो मंजुल कंज कली।।

प्र05: (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय देते हुए, उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए। 2+1

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) डा0 भगवतशरण उपाध्याय

(iii) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए। 2+1

(i) मैथिली शरण गुप्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सूरदास।

प्र06: निम्नलिखित में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 1+3

मानव–जीवनस्य संस्करणं संस्कृतिः। अस्माकं पूर्वजाः मानवजीवन संस्कर्तु महान्तं प्रयत्नम् अकुर्वन्। ते अस्माकं जीवनस्य संस्करणाय यान् आचारान् विचारान् च अदर्शयन् तत् सर्वम् अस्माकं संस्कृतिः।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न सोचति।

Downloaded from cclchapter.com

कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

प्र07: (क) अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए 1+1

(i) पिता कस्मात् उच्चतरः अस्ति?

(ii) गृहे सतः मित्रम् किम् अस्ति?

(iii) लाभेन किं वर्धते?

(iv) दुर्मुखः कः आसीत्?

(v) ग्रामीणान् कः उपाहसत्?

प्र08: (क) 'करूण' अथवा 'हास्य' रस का स्थायी भाव और परिभाषा बताइये। 2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा देते हुए उदाहरण बताइये। 2

(ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' छंद की परिभाषा देते हुए उदाहरण बताइये। 2

प्र09: (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक–एक शब्द बनाइये 1+1+1

(i) सु

(ii) प्र

(iii) प्रति

(iv) उप

(v) निर्

(vi) अभि।

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रत्ययों के प्रयोग से एक–एक शब्द बनाइये– 1+1

(i) ना

(ii) पन

(iii) इक

(iv) ईय

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास–विग्रह कीजिए तथा समास का नाम बताइए– 1+1

(i) राधाकृष्ण

(ii) सप्तधान्य

(iii) चौराहा

Downloaded from cclchapter.com

(iv) उत्थान पतन

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए– 1+1

(i) घर

(ii) मानुष

(iii) गाँव

(iv) चाँद

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए– 1+1

(i) ईश्वर

(ii) कमल

(iii) फूल

(iv) जंगल

प्र010: (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो का सन्धि–विच्छेद कीजिए और संधि का नाम लिखिए– 1+1

(i) प्रत्युत्तरम्

(ii) स्वागतम्

(iii) इत्यादि

(iv) लाकृतिः

(ख) निम्नलिखित शब्दों की चतुर्थी विभक्ति एवं द्विवचन का रूप लिखिए– 1+1

(i) 'मधु' अथवा 'नदी'।

(ii) फल अथवा मति्

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक का धातु लकार, पुरूष तथा वचन का उल्लेख कीजिए– 2

(i) अहसम्

(ii) पठावः

(iii) हसिष्यथ्ः

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 1+1

(i) प्रयाग गंगा तट पर स्थित है।

Downloaded from cclchapter.com

(ii) तुम दोनों क्या करते हो।

(iii) विद्या विनय से बढ़ती है।

(iv) गंगा भारत की पवित्र नदी है।

(v) हमें माता–पिता की सेवा करनी चाहिए।

प्र011: निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 6

(i) स्वास्थ्य और शिक्षा

(ii) पर्यावरण प्रदूषण

(iii) वन महोत्सव

(iv) साहित्य और समाज

प्र012: अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए– (3)

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति–जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति–जवाहर' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके छठे सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय–सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'जय–सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

Downloaded from cclchapter.com

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कौन सी घटना आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है? संक्षेप में बताइये।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्यूत–सभा में 'द्रोपदी' सर्ग का सारांश संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आदर्श वरण' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'राम' का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'राम–मिलाप' और सौमित्र का 'उपचार' सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Downloaded from cclchapter.com